भारत निर्वाचन आयोग

निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली-**110001**

सं. ईसीआई/प्रेस नोट/**38/2017** दिनांक: **11** मई, 2017

प्रेस विज्ञप्ति

विषय: भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राष्ट्रीय संपर्क केन्द्र का शुभारंभ

राष्ट्रीय संपर्क केन्द्र टॉल-फ्री नं.-1800111950

प्रत्येक मत का महत्व है और इसी तरह, प्रत्येक मतदाता का भी। प्रत्येक निर्वाचक को त्रुटिरहित रूप से सेवा प्रदान करना भारत निर्वाचन आयोग की वह प्रतिबद्धता है, जिस पर यह बार-बार खरा उतरा है। आयोग ने टॉल फ्री नं.-**1800111950** के साथ राष्ट्रीय संपर्क केन्द्र के शुभारंभ के साथ आयोग ने अपनी उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जोड़ी है। अब कोई भी नागरिक देश के किसी भी भाग से, दिन के किसी भी समय किसी भी प्रकार की पूछताछ व शिकायत के लिए अंग्रेजी या हिंदी में टॉल फ्री नं. पर कॉल कर सकता है। कॉल करने वाले व्यक्ति, निर्वाचनों, मतदान तिथियों, एपिक, निर्वाचक नामावली, आनलाईन पंजीकरण इत्यादि जैसे विषयों पर पूछ-ताछ कर सकते हैं तथा टॉल फ्री नं. पर डायल करके सीधे शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। केवल यही नहीं, कार्यकारी भी, निर्वाचकों को जानकारी प्रदान करने और मतदाता जागरुकता फैलाने हेतु जावक कॉल कर सकते हैं।

राष्ट्रीय संपर्क केन्द्र राष्ट्रीय शिकायत निवारण प्रणाली साफ्टवेयर पर प्रचालित होता है। यह साफ्टवेयर एक एकल विंडो प्लेटफार्म है, जिसे कॉल, ई-मेल, एसएमएस और वेबसाइट अभिगम्यता के माध्यम से प्राप्त शिकायतों और फीडबैक को एकीकृत व समयबद्ध तरीके से व्यवस्थित करने के लिए तैयार किया गया है। कॉल करने वाले व्यक्ति शिकायत दर्ज कराने तथा उसकी प्राप्ति एवं निपटान की स्थिति को जानने तथा प्रणाली के प्रत्येक चरण पर सुझाव एवं फीडबैक देने के लिए कार्यकारी के साथ संपर्क कर सकते हैं।

संपर्क केन्द्र निर्वाचन सुधार करने की दिशा में आयोग का एक ऐसा प्रगामी कदम है जिसमें नागरिकों और अधिकारियों को निर्वाचनों से पहले, निर्वाचनों के दौरान अथवा निर्वाचन के पश्चात् कोई असंगति या भारतीय निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के उल्लघंन की निगरानी करने और उनकी सूचना देने के लिए समर्थ बनाया गया है।

माननीय आयोग द्वारा राष्ट्रीय संपर्क केन्द्र का शुभांरभ

प्रत्येक राज्य और संघ राज्य-क्षेत्र शीघ्र ही पूर्ण-समर्पित राज्य सम्पर्क केन्द्र **(**एससीसी**)** और जिला सम्पर्क केन्द्र **(**डीसीसी**)** स्थापित एवं चालू करेंगे ताकि नागरिकों के मुद्दों/पूछताछ को हैंडल करने के लिए सम्पर्क केन्द्रों में सूचना का सभी ओर निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित हो सके। राष्ट्रीय सम्पर्क केन्द्र यह सुनिश्चित करने के लिए आई.टी. प्रोटोकॉल का तैयार करेगा कि एनसीसी में आने वाला कोई भी कॉल संबंधित राज्य सम्पर्क केन्द्र में उपयुक्त रूप से पुननिदेशित हो जाए।

यह आशा की जाती है कि एकीकृत संपर्क केन्द्र के चालू होने पर, भारत निर्वाचन आयोग देशभर के सभी नागरिकों को विकेन्द्रीकृत एवं एकीकृत तरीके से बहुभाषी समर्थन प्रदान करने में सक्षम हो जाएगा।

आईसीटी 2025 विजन दस्तावेज

आईसीटी **2025** विविध प्रकार की निर्वाचन प्रक्रियाओं और प्रकार्यों का समेकन करने के लिए मुख्य आई.टी. अवसंरचना एवं प्रक्रिया की स्थापना करने के बारे में है।

आईसीटी **2025** विजन दस्तावेज उस चीज की शुरुआत का अग्र-दूत है जिसे हम डिजीटल रूप देना कह सकते हैं न कि केवल अंकीकरण करना। आईसीटी **2025** में एक प्रमुख कार्यनीति है। यह नवीन प्रोद्योगिकियों को अपनाने और मौजूदा प्रौद्योगिकियों को समेकित करने की कार्यनीति है ताकि अधिकतर डिजीटल संसाधन निर्वाचन परितंत्र में उपलब्ध कराए जाएं।

माननीय आयोग द्वारा आईसीटी **2025** विजन दस्तावेज का विमोचन

आईसीटी **2025**, परियोजनाएं, जो डिजीटल प्रौद्योगिकी का लाभ उठाएंगी, निर्वाचन प्रक्रिया और निर्वाचनों के संचालन दोनों को अभिगृहीत करेंगी। आईसीटी **2025** के चार प्रमुख घटक निम्नलिखित हैं:-

1. एकीकृत साफ्टवेयर अनुप्रयोग
2. जीआईएस, विश्लेषणात्मक एवं एकीकृत संपर्क केन्द्र
3. डाटा सेन्टर, आईटी सुरक्षा, आपदा से राहत सहित आई.टी. अवसंरचना
4. ज्ञान प्रबंधन, क्षमता निर्माण एवं सोशल मीडिया से जुड़ना

इसके अतिरिक्त निर्वाचन आयोग ने ''वार्षिक रिपोर्ट **2017**' एवं 'निर्वाचन सांख्यिकी पॉकेट बुक **2017**'' और ''निर्वाचन में आईटी बुकलेट'' का विमोचन किया।

धीरेन्द्र ओझा
निदेशक